VSA
Little Steps
Pre Primary wing of VSA
VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Class 11 Subject: hindi (Aaroh)

Topic -ch-2 (Alok dhanva)

प्रश्न/उत्तर करो।

प्रश्न 1

'सबसे तेज बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।

अथवा

सबसे तेज बौछारों के साथ भादों के बीत जाने के बाद प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण 'पतंग' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर –

इस कविता में कवि ने प्राकृतिक वातावरण का सुंदर वर्णन किया है। भादों मास में तेज वर्षा होती है। इसमें बौछारें पड़ती हैं। बौछारों के समाप्त होने पर शरद का समय आता है। मौसम खुल जाता है। प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन दिखाई देते हैं

Scanned with CamScanner

1. सवेरे का सूरज खरगोश की आँखों जैसा लाल-लाल दिखाई देता है।
2. शरद ऋतु के आगमन से उमस समाप्त हो जाती है। ऐसा लगता है कि शरद अपनी साइकिल को तेज गति से चलाता हुआ आ रहा है।
3. वातावरण साफ़ व धुला हुआ-सा लगता है।
4. धूप चमकीली होती है।
5. फूलों पर तितलियाँ मैंडराती दिखाई देती हैं।

प्रश्न 2:

सोचकर बताएँ कि पतंग के लिए सबसे हलकी और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग क्यों किया गया है?

Scanned with CamScanner

उत्तर –

कवि ने पतंग के लिए सबसे हलकी और रंगीन चीज, सबसे पतला कागज, सबसे पतली कमानी जैसे विशेषणों का प्रयोग किया है। वह इसके माध्यम से पतंग की विशेषता तथा बाल-सुलभ चेष्टाओं को बताना चाहता है। बच्चे भी हलके होते हैं, उनकी कल्पनाएँ रंगीन होती हैं। वे अत्यंत कोमल व निश्छल मन के होते हैं। इसी तरह पतंगें भी रंगबिरंगी, हल्की होती हैं। वे आकाश में दूर तक जाती हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3:

बिंब स्पष्ट करें-

सबसे तेज़ बौछारें गयीं। भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए

घंटी बजाते हुए जोर-जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतग उड़ाने वाले बच्चों के झुड को
चमकील इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके

Scanned with CamScanner

उत्तर –

इस अंश में कवि ने स्थिर व गतिशील आदि दृश्य बिंबों को उकेरा है। इन्हें हम इस तरह से बता सकते हैं-

- तेज बौछारें – गतिशील दृश्य बिंब।
- सवेरा हुआ – स्थिर दृश्य बिंब।
- खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा – स्थिर दृश्य बिंब।
- पुलों को पार करते हुए – गतिशील दृश्य बिंब।
- अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए – गतिशील दृश्य बिंब।
- घंटी बजाते हुए जोर-जोर से – श्रव्य बिंब।
- चमकीले इशारों से बुलाते हुए – गतिशील दृश्य बिंब।
- आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए – स्पर्श दृश्य बिंब।
- पतंग ऊपर उठ सके – गतिशील दृश्य बिंब।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4:

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास – कपास के बारे में सोचें कि कयास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता हैं?

उत्तर –

कपास व बच्चों के मध्य गहरा संबंध है। कपास हलकी, मुलायम, गद्देदार व चोट सहने में सक्षम होती है। कपास की प्रकृति भी निर्मल व निश्छल होती है। इसी तरह बच्चे भी कोमल व निश्छल स्वभाव के होते हैं। उनमें चोट सहने की क्षमता भी होती है। उनका शरीर भी हलका व मुलायम होता है। कपास बच्चों की कोमल भावनाओं व उनकी मासूमियत का प्रतीक है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5:

पतगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं- बच्चों का उड़ान से कैसा सबध बनता हैं?

उत्तर –

पतंग बच्चों की कोमल भावनाओं की परिचायिका है। जब पतंग उड़ती है तो बच्चों का मन भी उड़ता है। पतंग उड़ाते समय बच्चे अत्यधिक उत्साहित होते हैं। पतंग की तरह बालमन भी हिलोरें लेता है। वह भी आसमान की ऊँचाइयों को छूना चाहता है। इस कार्य में बच्चे रास्ते की कठिनाइयों को भी ध्यान में नहीं रखते।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6:

निम्नलिखित पंक्तियों को पढकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(क) छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं की मृदंग की तरह बजाते हुए
(ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

1. दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य हैं?
2. जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती हैं?
3. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

Scanned with CamScanner

उत्तर –

1. इसका तात्पर्य है कि पतंग उड़ाते समय बच्चे ऊँची दीवारों से छतों पर कूदते हैं तो उनकी पदचापों से एक मनोरम संगीत उत्पन्न होता है। यह संगीत मृदंग की ध्वनि की तरह लगता है। साथ ही बच्चों का शोर भी चारों दिशाओं में गूँजता है।
2. जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए छत कठोर नहीं लगती। इसका कारण यह है कि इस समय हमारा सारा ध्यान पतंग पर ही होता है। हमें कूदते हुए छत की कठोरता का अहसास नहीं होता। हम पतंग के साथ ही खुद को उड़ते हुए महसूस करते हैं।
3. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को अधिक सक्षम मानते हैं। हममें साहस व निडरता का भाव आ जाता है। हम भय को दूर छोड़ देते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 7.

"रोमांचित शरीर का संगति' का जीवन के लय से क्या संबंध है?

उत्तर –

'रोमांचित शरीर का संगीत' जीवन की लय से उत्पन्न होता है। जब मनुष्य किसी कार्य में पूरी तरह लीन हो जाता है तो उसके शरीर में अद्भुत रोमांच व संगीत पैदा होता है। वह एक निश्चित दिशा में गति करने लगता है। मन के अनुकूल कार्य करने से हमारा शरीर भी उसी लय से कार्य करता है।

प्रश्न 8.

'महज एक धागे के सहारे, पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ" उन्हें (बच्चों को) कैसे थाम लेती हैं? चचा करें।

उत्तर –

पतंग बच्चों की कोमल भावनाओं से जुड़ी होती है। पतंग आकाश में उड़ती है, परंतु उसकी ऊँचाई का नियंत्रण बच्चों के हाथ की डोर में होता है। बच्चे पतंग की ऊँचाई पर ही ध्यान रखते हैं। वे स्वयं को भूल जाते हैं। पतंग की बढ़ती ऊँचाई से बालमन और अधिक ऊँचा उड़ने लगता है। पतंग का धागा पतंग की ऊँचाई के साथ-साथ बालमन को भी नियंत्रित करता है।

Scanned with CamScanner

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1:

'पतंग' कविता का प्रतिपद्य बताइ।

उत्तर –

इस कविता में कवि ने बालसुलभ इच्छाओं व उमंगों का सुंदर वर्णन किया है। पतंग बच्चों की उमंग व उल्लास का रंगबिरंगा सपना है। शरद ऋतु में मौसम साफ़ हो जाता है। चमकीली धूप बच्चों को आकर्षित करती है। वे इस अच्छे मौसम में पतंगें उड़ाते हैं। आसमान में उड़ती हुई पतंगों को उनका बालमन छूना चाहता है। वे भय पर विजय पाकर गिर-गिर कर भी सँभलते रहते हैं। उनकी कल्पनाएँ पतंगों के सहारे आसमान को पार करना चाहती हैं। प्रकृति भी उनका सहयोग करती है, तितलियाँ उनके सपनों की रंगीनी को बढ़ाती हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2:

शरद ऋतु और भादों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

भादों के महीने में काले-काले बादल घुमड़ते हैं और तेज बारिश होती है। बादलों के कारण अँधेरा-सा छाया रहता है। इस मौसम में जीवन रुक-सा जाता है। इसके विपरीत, शरद ऋतु में रोशनी बढ़ जाती है। मौसम साफ़ होता है, धूप चमकीली होती है और चारों तरफ उमंग का माहौल होता है।

प्रश्न 3:

शरद का आगमन किसलिए होता है?

उत्तर –

शरद का आगमन बच्चों की खुशियों के लिए होता है। वे पतंग उड़ाते हैं। वे दुनिया की सबसे पतली कमानी के साथ सबसे हलकी वस्तु को उड़ाना शुरू करते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4:

बच्चों के बारे में कवि ने क्या-क्या बताया है?

उत्तर –

बच्चों के बारे में कवि बताता है कि वे कपास की तरह नरम व लचीले होते हैं। वे पतंग उड़ाते हैं तथा झुंड में रहकर सीटियाँ बजाते हैं। वे छतों पर बेसुध होकर दौड़ते हैं तथा गिरने पर भयभीत नहीं होते। वे पतंग के साथ मानो स्वयं भी उड़ने लगते हैं।

प्रश्न 5:

प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने 'सबसे' शब्द का प्रयोग कइ बार किया हैं, क्या यह सार्थक हैं?

उत्तर –

कवि ने हलकी, रंगीन चीज, कागज, पतली कमानी के लिए 'सबसे' शब्द का प्रयोग सार्थक ढंग से किया है। कवि ने यह बताने की कोशिश की है कि पतंग के निर्माण में हर चीज हलकी होती है क्योंकि वह तभी उड़ सकती है। इसके अतिरिक्त वह पतंग को विशिष्ट दर्जा भी देना चाहता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6:

किन-किन शब्दों का प्रयोग करके कवि ने इस कविता को जीवत बना दिया हैं?

उत्तर –

– तेज बौछारें गई – भादों गया

– नयी चमकीली तेज साइकिल – चमकीले इशारे

– अपने साथ लाते हैं कपास – छतों को भी नरम बनाते हुए

प्रश्न 7:

'किशोर और युवा वर्ग समाज के मागदशक हैं।' –'पतंग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

कवि ने 'पतंग' कविता में बच्चों के उल्लास व निभीकता को प्रकट किया है। यह बात सही है कि किशोर और युवा वर्ग उत्साह से परिपूर्ण होते हैं। किसी कार्य को वे एक धुन से करते हैं। उनके मन में अनेक कल्पनाएँ होती हैं। वे इन कल्पनाओं को साकार करने के लिए मेहनत करते हैं। समाज में विकास के लिए भी इसी एकाग्रता की जरूरत है। अत: किशोर व युवा वर्ग समाज के मार्गदर्शक हैं।

Scanned with CamScanner